कृषि-ड्रोन पर जन जागरूकता कार्यक्रम

संस्थान के रांची केंद्र द्वारा "कृषि-रसायनों के छिड़काव में ड्रोन का अनुप्रयोग" पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में रांची और खूंटी जिले के चार प्रखंडों के 17 गांवों के 50 से अधिक किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में संत जेवियर कॉलेज रांची के करीब 60 छात्र-छात्राओं ने भी हिस्सा लिया।

उद्घाटन सत्र में डॉ. अनुप दास, निदेशक, आईसीएआर-आरसीईआर ने कृषि में ड्रोन के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि ड्रोन जैसी स्मार्ट प्रौद्योगिकियां कृषि मे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। किसानों की आय बढ़ाने में कृषि ड्रोन की अहम भूमिका पर भी उन्होंने जोर दिया। उन्होने कहा की बदलती जलवायु से उत्पन्न चुनौतियों पर काबू पाने में ड्रोन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

केंद्र के प्रमुख डॉ. ए.के. सिंह ने किसानों को कृषि की तकनीकी मे होने वाले निरंतर होने वाले बदलावों पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होने किसानों को कृषि-ड्रोन की जैसी अन्य उन्नत प्रौद्योगिकियों के साथ तालमेल बनाए रखने की सलाह दी।

कार्यक्रम संचालक डा. संतोष माली, वरिष्ठ वैज्ञानिक, ने कहा की ड्रोन एक अत्याधुनिक तकनीक है जिससे कृषि-रसायनों के छिड़काव के अलावा चिंचाई, फसल निगरानी, बुआई एवं सामान का वितरण जैसे कई कार्यों मे इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होने कहा की कृषि मे निविष्ठों की कार्य दक्षता बढ़ाने मे ड्रोन बहोत ही कारगर साबित हो रहे हैं। कार्यक्रम सह-समन्वयक डॉ अजीत झा ने ड्रोन के बारें मे और पौध संरक्षण मे ड्रोन के अनुप्रयोग के बारे में बताया। उन्होने ड्रोन के तकनीकी पहलुओंपे भी प्रकाश डाला।

उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्र हुआ जिसमें डॉ. पवन जीत, वैज्ञानिक, आईसीएआर-आरसीईआर, पटना ने ड्रोन प्रौद्योगिकी और ड्रोन संचालन प्रक्रियाओं की मूल बातें बताईं। दूसरे तकनीकी सत्र में, डॉ. प्रदोष कुमार परमगुरु, वैज्ञानिक, आईसीएआर-एनआईएसए ने कृषि के क्षेत्र में ड्रोन के विभिन्न अनुप्रयोगों पर चर्चा की।

डॉ. जयपाल सिंह चौधरी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईसीएआर-आरसीईआर ने ड्रोन का उपयोग करके रासायनिक छिड़काव के तकनीकी पहलुओं पर बात की।

इस कार्यक्रम मे एक व्यावहारिक सत्र आयोजित किया गया जिसमें डॉ. संतोष एस माली, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने खेतों में ड्रोन के माध्यम से कृषि-रसायनों के छिड़काव का प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान डॉ ए के सिंह, डॉ बी के झा, डॉ वी के यादव, डॉ अजीत झा मौजूद थे। प्रदर्शन के दौरान पटना मुख्यालय से डॉ पवन जीत और डॉ अभिषेक कुमार दुबे भी मौजूद रहे।

ड्रोन प्रदर्शन की झलकियाँ